2021

HINDI

[HONOURS]

Paper : V

Full Marks : 100 Time : 4 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Answer all the questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का अतिसंक्षिप्त उत्तर लिखिए : 1×5=5
   क) 'कुरुक्षेत्र' का प्रकाशन-वर्ष बताइए ।
   ख) सूर्यकांत त्रिपाठी को 'निराला' उपनाम किसने दिया ?
   ग) 'यशोधरा' किस प्रकार का काव्य है ?
   घ) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' का प्रकाशन-वर्ष लिखिए ।
   ङ) अज्ञेय का जन्म कहाँ हुआ था ?
   च) 'कामायनी' का प्रकाशन-वर्ष बताइए ।
   छ) पंत को किस रचना के लिए सोवियतलैंड नेहरू पुरस्कार मिला ?
   ज) महादेवी वर्मा को किस रचना के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ?
2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : 2×10=20
   क) 'विरह का जलजात जीवन' किस कवि की रचना है ? 'जलजात' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

ख) निराला की पहली प्रकाशित कविता का नाम और प्रकाशन-वर्ष लिखिए ।

ग) 'कामायनी' पर किस दर्शन का प्रभाव है ? 'कामायनी: एक पुनर्विचार' के लेखक कौन हैं ?

घ) निराला का संबंध किन साहित्यिक आंदोलनों से था ? 'अनामिका' भाग-1 का प्रकाशन-वर्ष लिखिए ।

ङ) 'कुरुक्षेत्र' का रचनाकाल क्या है ? यह कैसा काव्य है?

च) 'यशोधरा' में प्रमुख रूप से किस रस की व्यंजना हुई है ? इसकी भाषा क्या है?

छ) 'पद रज भर भी है नहीं पूरा यह विश्व भार'—पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

ज) मुक्तिबोध का पूरा नाम बताइए । इनकी मृत्यु कब हुई थी?

झ) 'कामायनी' के प्रथम और अंतिम सर्ग का नाम लिखिए ।

ञ) ''बह चली नि:श्वास की मृदु
वात मलय-निकुंज-वाली !''
—उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि की किस रचना से उद्धृत है?

ट) ''भूल गये हम जीवन के संदेश अनश्वर
मृतकों के हैं मृतक, जीवितों का है ईश्वर !''
—उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि की किस रचना से उद्धृत है?

ठ) 'आंगन के पार द्वार' काव्य संग्रह के रचनाकार का पूरा नाम लिखिए । इसका प्रकाशन-वर्ष क्या है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 6×5=30

क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''सुबह होगी कब और
मुश्किल होगी दूर कब
समय का कण-कण
गगन की कालिमा से
बूंद-बूंद चू रहा
तडित्-उजाला वन ।''

ख) 'ताज' कविता का भावार्थ लिखिए ।

ग) 'जागो फिर एक बार' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

घ) 'विरह का जलजात जीवन' कविता का भाव स्पष्ट कीजिए ।

ङ) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

''स्वयं सुसज्जित करके क्षण में
प्रियतम को, प्राणों के पण में,
हमीं भेज देती हैं रण में—
क्षात्र-धर्म के नाते ।''

च) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

''रसवती भू के मनुज का श्रेय
यह नहीं विज्ञान कटु, आग्नेय
श्रेय उसका प्राण में बहती प्रणय की वायु,
मानवों के हित अर्पित मानवों की आयु ।''

छ) संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

''हो इसी कर्म पर बज्रपात
यदि धर्म रहे नत सदा साथ
इस पथ, मेरे कार्य सकल ।

हो भ्रष्ट शीत के से शत दल
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ।''

ज) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

''जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल—
ईश का वह रहस्य वरदान,
कभी मत इसको जाओ भूल ।
विषमता की पीड़ा से व्यक्त
हो रहा स्पंदित विश्व महान,
यही दु:ख-सुख विकास का सत्य,
यही भूमा का मधुमय दान ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15×3=45

क) ''निराला विद्रोही कवि थे । इसलिए उनके काव्य-शिल्प में भी विद्रोह की छाप स्पष्ट दिखाई पड़ती है ।''— निराला द्वारा रचित कविताओं के आधार पर इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

ख) ''परिवर्तन' शीर्षक कविता में तत्कालीन सामाजिक-राजनीतिक-दार्शनिक समस्याओं को अभिव्यक्ति मिली है।''— उक्त कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

ग) अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

घ) ''कुरूक्षेत्र' दिनकर के समग्र उपनिवेशवाद विरोधी काव्य-चिंतन का भावबंध है ।''—कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

ङ) 'कामायनी' के 'श्रद्धा सर्ग' में व्यक्त सौंदर्य-चेतना एवं विश्व-दृष्टि पर विचार कीजिए ।